ईस्‍टर्न कैनाल प्रोजेक्‍ट: राज्‍य सरकार ने केन्‍द्रीय जल आयोग को भेजी है डीपीआर

नदियों को जोड़ने के लिए बीसलपुर से तीन गुना बड़ा बांध और 6 बैराज बनेंगे

राजस्‍थान पत्रिका, जयपुर, दिनाक : जून 29, 2020

नदियों को जोड़कर राजस्‍थान के 13 जिलों में पेयजल समस्‍या से निजात दिलाने के महत्‍वपूर्ण ईस्‍टर्न कैनाल प्रोजेक्‍ट की विस्‍तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) केन्‍द्रीय जल आयोग के पास पहुंच चुकी है। आयोग और जलशक्ति मंत्रालय को इस पर मुहर लगानी है और राज्‍य सरकार को मध्‍यप्रदेश सरकार के बीच पानी बंटवारे पर सहमति बनानी है।

प्रोजेक्‍ट के तहत बीसलपुर बांध से तीन गुना बड़ा एक बांध और 6 जगह बैराज बनेंगे। इसके अलावा प्रोजेक्‍ट एरिया में कुछ जगह पहाड़ी इलाके में टनल का निर्माण होगा, जिससे पानी को कई जिलों तक पहुंचाया जा सके। अभी इन सहायक नदियों का पानी चम्‍बल नदी में जाकर मिल रहा है। यहां घडि़याल सेंचुरी एरिया होने के कारण राजस्‍थान वहां से सीधे पानी लिफ्ट करके चिन्हित जिलों तक नहीं पहुंचा पा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा रखी है। उधर, पानी बंटवारे को लेकर एमपी के बीच सहमति नहीं बनने और केन्‍द्रीय जल आयोग व जलशक्ति मंत्रालय की सक्रियता नहीं बढ़ने के कारण स्‍वीकृत नहीं हो पाया। प्रोजेक्‍ट में कुन्‍नू, कुल, पार्वती, कालीसिंध, मेज नदी को आपस में जोड़ना है और फिर पानी 1268 किलोमीटर लम्‍बाई में कैनाल, नहर के जरिए कई जिलों तक पहुंचेगा।

**इस तरह एक-दूसरे से जुड़ेंगी नदियां.....**

1. **कुन्‍नू नदी:** बारां के हरिया नगर, तहसील शाहबाद इलाके से गुजर रही इस नदी पर बैराज बनेगा। यहां से 7.85 किमी तक पंपिंग के जरिए पानी आगे लाएंगे और फिर 9.51 किमी तक कैनाल बनाई जाएगी। इसके बाद 55.1 किमी लम्‍बाई में सामान्‍य स्रोत के जरिए कुल नदी से मिलेगी।
2. **कुल नदी:** नदी के इस हिस्‍से के पास (ग्राम धानी, किशनगंज तहसील, बारां) ही एक और बैराज बनेगा। यहां से 7.30 किमी लम्‍बाई में कैनाल बनेगी और फिर पार्वती नदी से जुड़ेगी।
3. **पार्वती नदी:** जारवाडि़या, तहसील मंगरोल से गुजर नही नदी के इस हिस्‍से में बैराज बनाया जाएगा। यहीं से पानी को डायवर्ट करके 54.6 किमी लम्‍बाई में कैनाल बनेगी और इसी के जरिए कालीसिंध नदी तक पहुंचेगी।
4. **कालीसिंध नदी:** कोटा में तहसील डिगोद के ग्राम मनगाहेरी से गुजर रही नदी के हिस्‍से में बैराज का निर्माण किया जाएगा। यहां से भी कैनाल के जरिए चम्‍बल नदी तक पहुंचाया जाएगा। कैनाल की लम्‍बाई 28 किमी होगी।
5. **चम्‍बल नदी:** जहां कालीसिंध नदी मिलेगी वहां से करीब 40 किमी दूरी पर बैराज बनेगा, जो सखवाड़ा ग्राम, तहसील इन्‍द्रगढ़, बूंदी में है। यहां बैराज से 1.71 किमी लम्‍बाई में टनल बनेगी। यहां मेज नदी तक पहुंचेगी और फिर पानी का एक हिस्‍सा बीसलपुर और इसरदा बांध की तरफ चला जाएगा और दूसरा हिस्‍सा करौली व अन्‍य जिलों की तरफ। यहां जौनपुरा ग्राम, तहसील चौथ का बरवाड़ा, सवाईमाधोपुर से गुजर रही बनास नदी पर बैराज बनेगा।

**यहां बनेगा बांध**

सवाईमाधोपुर जिले, खण्‍डार तहसील के डूंगरी ग्राम में बांध प्रस्‍तावित है। यह बांध बीसलपुर बांध से तीन गुना बड़ा होगा, जो बनास नदी से जुड़े इलाके में ही बनेगा। चम्‍बल की सहायक नदियों को जोड़कर पहुंचने वाले पानी का स्‍टोरेज होगा।

**प्रोजेक्‍ट सकारात्‍मक दिशा में बढ़ेगा**

राज्‍य के लिए यह प्रोजेक्‍ट बेहद जरूरी है। इसमें पांच नदियों को जोड़ना है। डीपीआर केन्‍द्रीय जल आयोग को सबमिट कर चुके हैं। मध्‍यप्रदेश से पानी बंटवारे को लेकर फैसला भी हमारे और उनके बीच हुए एमओयू के आधार ही होना है। उम्‍मीद है कि प्रोजेक्‍ट जल्‍द सकारात्‍मक दिशा में बढ़ेगा।--- **नवीन महाजन**, शासन सचिव, जल संसाधन विभाग

**केन्‍द्र की करनी और कथनी में है अंतर**

भारत सरकार की करनी और कथनी में अंतर है। एक तरफ तो केन्‍द्र सरकार नदियों को जोड़ने की बात कहती है और हमारे प्रस्‍ताव पर अब गौर तक नहीं किया। डीपीआर में कोई कमी है तो हमें बताएं।--- **बीडी कल्‍ला**, जलदाय मंत्री

**पहले अनुबंध तो हो**

दोनों राज्‍यों के बीच अब तक कोई एमओयू ही नहीं हुआ है। सबसे पहले दोनों राज्‍यों में पानी को लेकर अनुबंध हो और उसके बाद आगे का काम किया जाएगा।--- **गजेन्‍द्र सिंह शेखावत**, जल शक्ति मंत्री